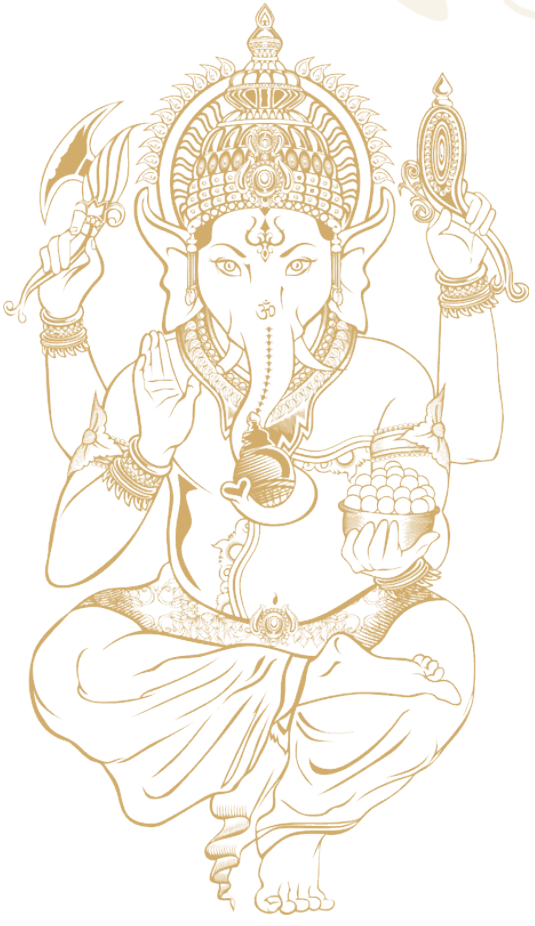

Vaibhav Singh

24 May 2000

12:30 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121500206

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/05/2000**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**12:30:00 घंटे**
इष्ट	18:31:43 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:33:32 घंटे
वेलान्तर	00:03:11 घंटे
साम्पातिक काल	04:42:17 घंटे
सूर्योदय	05:05:18 घंटे
सूर्यास्त	18:41:37 घंटे
दिनमान	13:36:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	09:33:12 वृष
लग्न के अंश	18:48:17 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ब्रह्म
करण	गर
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	18:48:17	320:31:08	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			वृष	09:33:12	00:57:38	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	15:01:18	11:52:52	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	वृष	20:22:08	00:41:13	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	सम राशि
बुध			वृष	26:15:34	01:49:07	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मेष	27:50:16	00:14:06	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र		अ	वृष	04:38:39	01:13:44	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	स्वराशि
शनि		अ	मेष	28:18:32	00:07:38	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	नीच राशि
राहु			कर्क	01:57:48	00:01:08	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु			मक	01:57:48	00:01:08	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	26:57:58	00:00:03	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:38:54	00:00:30	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	17:54:39	00:01:36	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			वृष	18:12:24	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:29

लग्न-चलित

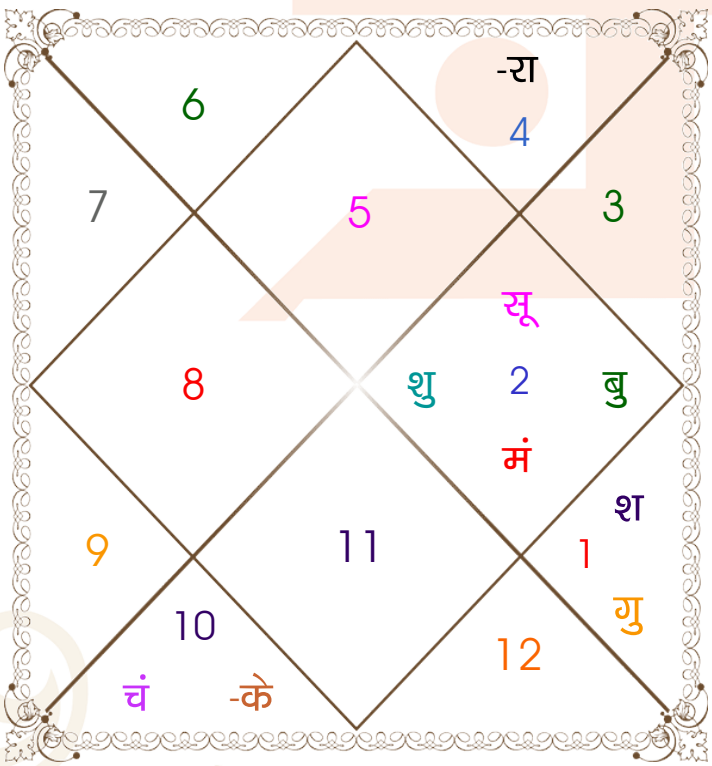

चन्द्र कुंडली

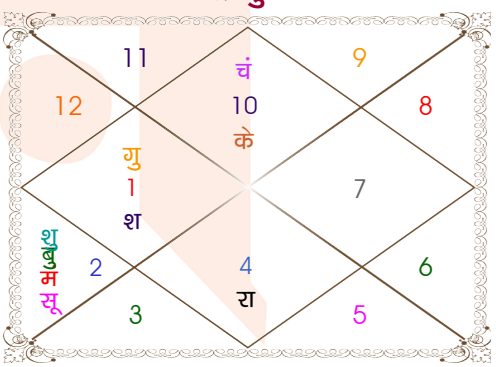

नवमांश कुंडली

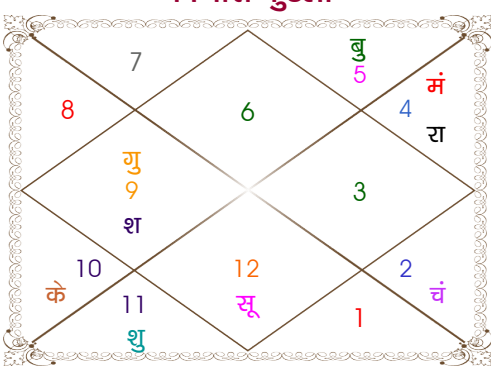

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 2 मास 24 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
24/05/2000		18/08/2006		18/08/2013		18/08/2031		18/08/2047	
18/08/2006		18/08/2013		18/08/2031		18/08/2047		18/08/2066	
	00/00/0000	मंगल	14/01/2007	राहु	30/04/2016	गुरु	05/10/2033	शनि	21/08/2050
	00/00/0000	राहु	02/02/2008	गुरु	23/09/2018	शनि	18/04/2036	बुध	30/04/2053
	24/05/2000	गुरु	07/01/2009	शनि	30/07/2021	बुध	25/07/2038	केतु	09/06/2054
गुरु	17/11/2000	शनि	16/02/2010	बुध	17/02/2024	केतु	30/06/2039	शुक्र	09/08/2057
शनि	18/06/2002	बुध	13/02/2011	केतु	06/03/2025	शुक्र	28/02/2042	सूर्य	22/07/2058
बुध	17/11/2003	केतु	13/07/2011	शुक्र	06/03/2028	सूर्य	18/12/2042	चंद्र	20/02/2060
केतु	18/06/2004	शुक्र	11/09/2012	सूर्य	29/01/2029	चंद्र	18/04/2044	मंगल	31/03/2061
शुक्र	16/02/2006	सूर्य	17/01/2013	चंद्र	31/07/2030	मंगल	25/03/2045	राहु	05/02/2064
सूर्य	18/08/2006	चंद्र	18/08/2013	मंगल	18/08/2031	राहु	18/08/2047	गुरु	18/08/2066

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/08/2066		18/08/2083		18/08/2090		19/08/2110		18/08/2116	
18/08/2083		18/08/2090		19/08/2110		18/08/2116		00/00/0000	
बुध	14/01/2069	केतु	14/01/2084	शुक्र	17/12/2093	सूर्य	06/12/2110	चंद्र	19/06/2117
केतु	11/01/2070	शुक्र	15/03/2085	सूर्य	18/12/2094	चंद्र	07/06/2111	मंगल	18/01/2118
शुक्र	11/11/2072	सूर्य	21/07/2085	चंद्र	17/08/2096	मंगल	13/10/2111	राहु	20/07/2119
सूर्य	17/09/2073	चंद्र	19/02/2086	मंगल	18/10/2097	राहु	06/09/2112	गुरु	25/05/2120
चंद्र	17/02/2075	मंगल	18/07/2086	राहु	18/10/2100	गुरु	25/06/2113		00/00/0000
मंगल	14/02/2076	राहु	06/08/2087	गुरु	19/06/2103	शनि	07/06/2114		00/00/0000
राहु	02/09/2078	गुरु	12/07/2088	शनि	19/08/2106	बुध	13/04/2115		00/00/0000
गुरु	08/12/2080	शनि	21/08/2089	बुध	19/06/2109	केतु	19/08/2115		00/00/0000
शनि	18/08/2083	बुध	18/08/2090	केतु	19/08/2110	शुक्र	18/08/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 2 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।